१. हांवल (Hoebel) :—

विवाह सामाजिक नियमों का एक जाल है, जो विवाहित दम्पति के पारस्परिक, उनके रक्त-सम्बन्धियों, उनके बच्चों एवं समाज के बीच के सम्बन्धों को नियन्त्रित तथा निर्धारित करता है।

२. वेस्टरमार्क (Westermark) :—

विवाह प्रथा और कानून द्वारा स्वीकृत एक या एक से अधिक पुरुषों का एक या एक से अधिक स्त्रियों के साथ होनेवाला वह सम्बन्ध है, जिसमें संगठन में आनेवाले दोनों पक्षों का तथा उनसे उत्पन्न बच्चों के अधिकार एवं कर्त्तव्यों का समावेश होता है।

३. बील्स तथा हाइजर (Beals and Hoijer) :—

हमलोग मानते हैं कि विवाह प्रत्येक मानव-समाज में पायी जानेवाली एक जटिल सांस्कृतिक घटना है, जिसमें विशुद्ध रुप से नर-नारी के सम्भोग की शारीरिक प्रक्रियाओं का निर्वाह होता है। किन्तु इसके अतिरिक्त बच्चों एवं गृहस्थी का पालन-पोषण तथा परिवार पर लादी गई सांस्कृतिक आवश्यकताएँ आदि सामाजिक क्रियाएँ सम्पादित होती हैं।

४. बोगार्डस (Bogardus) :—

विवाह स्त्री-पुरुष को पारस्परिक जीवन में प्रवेश कराने की एक संस्था है।

डा० डी० एन० मजुमदार

अर्थात्, विवाह एक प्रकार की सामाजिक स्वीकृति है, जिसमें दो विभिन्न लिंगों के व्यक्तियों का आपस में यौन-सम्बन्ध करने एवं उनसे सम्बन्धित अन्य सामाजिक एवं आर्थिक सम्पर्क स्थापित करने के लिये अधिकृत किया जाता है।